



આચાર્ય કુરુન

मुडा पुर

— 174 —

नीरज सोनकर / वाजपेय

929192785711

महात्मा जेठवरावा

मेरे स्वरूप में प्रकटित होने तक किसी भी व्यक्ति को नहीं देना।
यह ध्यान रखना चाहती हूँ कि उपरोक्त सभी परिस्थितियों मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।
यदि मेरे द्वारा उल्लंघन कराये गये उपरोक्त तथ्य किसी भी समय एवं स्तर पर अविश्वसनीय या
गलत हो या इस सम्बन्ध में विधि एवं नियमों के अधीन मेरे विरुद्ध कोई जाने वाली कार्यवाही का निरा
कारण उत्पन्न हो रहा/रहेगी।

हस्त लिखित पुस्तक
मार्ग प्रधान विभाग, १०१, १०२, १०३
साल १९५०-५१